नाम................................ पृष्ठों की कुल संख्या.................

अनुक्रमांक..........................

102 **302(HN)**

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे **15** मिनट] [पूर्णांक : **100**

नोट : **i)** प्रारम्भ के **15** मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

(खण्ड-क)

1. (क) 'प्रो० जी० सुंदर रेड्डी' की रचना है- 1

(i) 'कल्पवृक्ष'

(ii) 'धरती के फूल'

(iii) 'तब की बात और थी'

(iv) 'मेरे विचार'। ?

(ख) 'क्वार्टर, पहचान' कहानी-संग्रह किसके है? 1

(i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' का

(ii) प्रो० जी० सुंदर रेड्डी का

(iii) मोहन राकेश का

(iv) 'अज्ञेय' का।

(ग) आलोचनात्मक कृति 'कालिदास की लालित्य-योजना' के लेखक हैं- 1

(i) हरिशंकर परसाई

Gyansindhu Coaching Classes

(ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) मोहन राकेश

(iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी ।

(घ) संस्मरण विधा की रचना है- 1

(i) 'दीप जले शंख बजे'

(ii) 'बाजे पायलिया के घुँघरू'

(iii) 'अरे यायावर रहेगा याद'

(iv) 'तब की बात और थी'।

(ङ) वासुदेवशरण अग्रवाल की रचना है- 1

(i) 'अन्तराल'

(ii) 'त्रिशंकु'

(iii) 'तट की खोज'

(iv) 'वाग्धारा'।

2. (क) 'कामायनी' में सर्गों की संख्या है- 1

(i) बारह

(ii) चौदह

(iii) पन्द्रह

(iv) सत्रह ।

(ख) 'क्षणदा-व संधिनी' की रचयिता हैं- 1

Gyansindhu Coaching Classes

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्याय 'अज्ञेय'

(iv) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ।

(ग) 'चौथा सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष है- 1

(i) सन् 1951

(ii) सन् 1959

(iii) सन् 1979

(iv) सन् 1987

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार मिला था- 1

(i) 'लोकायतन' पर

(ii) 'चिदम्बरा' पर

(iii) 'कला और बूढ़ा चाँद' पर

(iv) 'पल्लव' पर।

(ङ) 'सुमित्रानन्दन पन्त' की रचना है- 1

(i) 'परशुराम की प्रतीक्षा'

(ii) 'ऐसा कोई घर आपने देखा है'

(iii) 'पृथ्वीपुत्र'

(iv) 'स्वर्ण किरण' ।

Gyansindhu Coaching Classes

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांश का सन्दर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए- 2+2+2+2+2=10

मातृभूमि पर निवास करनेवाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथिवी हो और मनुष्य न हों, तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है। पृथिवी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप संपादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी का पुत्र है-

(माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः ।)

-भूमि माता है, मैं उसका पुत्र हूँ।

जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुंजी है। इसी भावना से राष्ट्र-निर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) लेखक ने राष्ट्र का दूसरा अंग किसे कहा है?

(iii) राष्ट्र का स्वरूप कैसे सम्पादित होता है?

(iv) लेखक के अनुसार राष्ट्रीयता की कुंजी क्या है?

(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत-सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार-कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गये, समाज ढह गए, और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गयी।

(i) सामन्त सभ्यता की परिष्कृत रुचि का प्रतीक कौन है?

(ii) लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी ?

(iii) आज उस सामंती सभ्यता की क्या स्थिति है?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक तथा लेखक का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 5×2=10

Gyanindhu Coaching Classes

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।

होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को।

जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।

होंठों की औ कमल-मुख की म्लानतायें मिटाना।।

कोई क्लान्ता कृषक-ललना खेत में जो दिखावे।

धीरे धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना।

जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसे ला।

छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को।।

(i) दिये गये पद्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

(ii) राधा पवन-दूतिका से राह में पथिकों के साथ कैसा व्यवहार करने को कहती है?

(iii) इस पद्यांश में कवि ने किसका चित्रण किया है?

(iv) इस पद्यांश में कौन-सा अलंकार है?

(v) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।

अथवा

मैं नीरभरी दुख की बदली!

स्पन्दन में चिर निस्पन्द बसा,

क्रन्दन में आहत विश्व हँसा,

नयनों में दीपक से जलते

पलकों में निर्झरिणी मचली!।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक लिखिए।

(ii) यह पद्यांश किस काव्य-संग्रह से उद्धृत है?

(iii) इस पद्यांश के रचनाकार कौन हैं?

(iv) 'नयनों में दीपक से जलते' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(v) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

Gyansindhu Coaching Classes

प्रश्न 5.(क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए-(शब्द सीमा अधिकतम- 80) 3+2=5

(i) प्रो० जी० सुंदर रेड्डी

(ii) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए- (शब्द सीमा - 80) 3+2=5

(i) सुमित्रानन्दन पन्त

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न 6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए।

(शब्द सीमा- 80) 5

अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 7. स्वपठित 'खण्डकाव्य' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए- 5

(i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए।

(iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Gyansindhu Coaching Classes

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।

खण्ड-ख

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

याज्ञवल्क्य उवाच न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति।

अथवा

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास भारवि भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति। ततः सुष्ठुक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए- 2+5=7

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या विद्यार्थिनः कुतो सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ।।

Gyansridhu Coaching Classes

प्रश्न 9. निम्नलिखित मुहाबरों में सके किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- 2+5=7

(i) दाल में काला होना।

(ii) तलवार की धार पर चलना।

(iii) टका सा जवाब देना।

(iv) चाँदी काटना।

प्रश्न 10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

प्रकृति सदैव प्रस्तुत रहती है औरों के लिए। यह हमें सिखाती है कि हम भी बिना किसी भेदभाव के औरों के लिए प्रस्तुत रहें, उपलब्ध रहें। नदियाँ बहती हैं औरों के लिए। वृक्ष फलते-फूलते हैं, छाया देते हैं-औरों के लिए। सूरज प्रकाश देता है, जीवन देता है। चाँद शीतलता देता है। इन्होंने कहाँ अपना प्रकाश-पुंज समेटा है? नदियाँ कहाँ अपने को बाँधकर रखती हैं? फिर हम क्यों अपने को बाँधे रखते हैं? यह कृपणता तो मेरी समझ में अपराध है। यह भीषण आत्मस्वार्थ है। हम समझते हैं कि हम जो कर रहे हैं, वह अच्छा कर रहे हैं। लेकिन यह भारी भूल है। अगर हम किसी को अपनी ज्ञान- सम्पदा, सदाशयता सम्पदा से सहायता नहीं पहुँचा रहे हैं तो कुछ पलों के लिए उसे कष्ट होगा। संसार विशाल है, कहीं-न-कहीं उसका काम हो जाएगा। कोई-न-कोई उसकी सहायता कर ही देगा। लेकिन हममें कृपणता, असहायता, अदया की ग्रंथि विकसित होती रहेगी, जो अंततः मनोरोग के रूप में परिणत हो जाएगी।

(i) प्रकृति से व्यक्ति को क्या शिक्षा मिलती है? 1

(ii) वृक्ष, सूर्य, चन्द्रमा तथा नदियों के कार्यकलापों का क्या लक्ष्य है? 2

(iii) मानव के किस विचार को भारी भूल माना गया है? 2

अथवा

महात्मा जी ने एक दिन प्रार्थना में कहा था कि - "मुझे जितना ज्ञान ज्यादा होता जाता है, उससे मैं तो यह जानता हूँ कि शहरी लोगों का देहातियों से घनिष्ठ संबंध है। मैं तो कहूँगा कि जो कुछ हिंदुस्तान में मिलता है, वह किसानों के ही मार्फत मिलता है।" यदि वे लोग इनकार कर जाएँ, आपके लिए कार्य नहीं करें तो आपको भूखा मरना पड़ेगा और उसमें महाराजा साहब का भी नंबर आ जाए और सेठ हुकुमचंद का भी नंबर आ जाए क्योंकि कोई भी चाँदी या सोने से पेट नहीं भर सकता। वह मेरी तरह सत्याग्रह करके नहीं, किंतु यह कहकर इनकार करें कि हमे भरपेट भोजन नहीं मिलता तो हम भूखे रहकर

Gyansindhu Coching Classes

का कैसे करें तो शहरी लोगों को बड़ी मुसीबत उठानी पड़े।" अतएव यह परम आवश्यक है कि किसानों को उनके परिश्रम का उचित मूल्य मिले। ऐसा किए बिना सभी एक दिन परेशानी में पड़ जाएँगे। इसलिए मूल्य सुधार करो और जमीनों को हड़पना बंद करो। यही मेरा सुझाव है, अन्यथा भूखे मरने को तैयार हो जाओ शहरवासियों।

(i) गद्यांश के अनुसार भारत में जो भी प्राप्त होता है वह किसकी देन है? 1

(ii) महात्मा जी ने शहर में रहने वालों को उनके तथा किसानों के संबंधों के बारे में क्या बताया था? 2

(iii) किसानों की दशा सुधारने के लिए गद्यांश में क्या सुझाव दिया गया है? 2

प्रश्न 11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए- 1

(i) सकल-शकल

(A) पदार्थ और सम्पूर्ण

(B) सम्पूर्ण और खण्ड

(C) आकृति और प्रकृति

(D) मुख और शंकालु।

(ii) अंश-अंशु

(A) भाग और सूर्य

(B) सूर्य और भाग

(C) भाग और किरण

(D) किरण और वरुण।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए- 1+1=2

(i) अमृत

(ii) वर

(iii) पयोधर

(iv) नाक ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए- 1

(i) जिसका नाश कभी नहीं होता-

(A) स्थायी

Gyansindhu Coaching Classes

(B) अविनाशी

(C) अनश्वर

(D) चिरंजीवी

(ii) जिसने राष्ट्र के हित में अपना जीवन बलिदान कर दिया हो- 1

(A) देशभक्त

(B) त्यागी

(C) राष्ट्र-पुत्र

(D) शहीद

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए- १+१=२

(i) मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

(ii) मीराबाई कृष्णभक्त कवि हैं।

(iii) प्रतिमा को क्षमा माँगना चाहिए।

(iv) हमें सदैव हमेशा परिश्रम करना चाहिए।

प्रश्न 12.(क) 'वीर' अथवा 'हास्य' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ग) 'दोहा' अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

प्रश्न 13. दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर संविदा सफाई कर्मी पद पर नियुक्ति हेतु सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिए। 2+4=6

अथवा किसी बैंक की स्थानीय शाखा प्रबन्धक को अपनी पुस्तक की दुकान खोलने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए। 2+7=9

(i) पर्यावरण प्रदूषण

(ii) विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा का महत्त्व

(iii) इण्टरनेट : लाभ और हानियाँ

(iv) भारतीय कृषि एवं विज्ञान

(v) आतंकवाद की समस्या।

Gyansindhu Coaching Classes